



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 25, 1978/माघ 5, 1899

No. 34]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 25, 1978/MAGHA 5, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1978

अधिसूचना

सा० का० नि० 43(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० जे-11-9/74-प्रशासन (जी० पी० ए-1) तारीख 30 मार्च, 1974 को अधिकांश करते हुए, इसी समय से, उस उपधारा में विनिर्दिष्ट अपराधों की जांच या विचारण करने और ऐसे अपराधों की ऐसी जांच या विचारण से संबंधित सभी प्रामुखिक विषयों की बाबत प्रत्येक ऐसे अधिकारी को, जो तत्समय —

करते समय ऐसे कारावास का, जिसकी अवधि एक वर्ष से अधिक हो या ऐसे जुर्माने का जो 1,000 रु० से अधिक हो, या दोनों का, वण्छावेश पारित नहीं करेगा।

(ख) कमांडेंट (जिसमें बल में किसी स्थिर एकक, स्थापन या कार्यालय में तैनात कोई अधिकारी या बल के आधार अस्पताल या किसी अन्य अस्पताल में तैनात मुख्य चिकित्सा अधिकारी या ज्येष्ठ चिकित्सा अधिकारी सम्मिलित हैं) का रैंक धारण किए हुए हों, इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों की बाबत, उक्त संहिता के अधीन, यथास्थित, मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट या मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां विनिर्दिष्ट करती हैं।

(क) कमांडेंट और सहायक कमांडेंट (जिसमें बल में स्थिर एककों या स्थापनों और कार्यालयों में तैनात उन्हीं रैंकों के अधिकारी और बल के आधार अस्पताल या अन्य अस्पतालों में तैनात वही रैंक धारण करने वाले चिकित्सा अधिकारी सम्मिलित हैं) का रैंक धारण किए हुए हों।

- (1) महानगर क्षेत्र के संबंध में, महानगर मजिस्ट्रेट की सभी शक्तियां और
- (2) महानगर क्षेत्र के बाहर किसी क्षेत्र के संबंध में, प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट की, वण्छा प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त संहिता कहा गया है) के अधीन सभी शक्तियां विनिर्दिष्ट करती हैं :

परन्तु सहायक कमांडेंट का तत्समय पद धारण करने वाला कोई अधिकारी किसी विचारण में किसी अभियुक्त को सिद्धोप या वण्छावेश

अनुसूची

क्रम सं०	शक्तियां	उक्त संहिता की धारा
1	डाक या तार प्राधिकारी से तलाशी करने तथा किसी दस्तावेज, पार्सल या चीज को निरुद्ध कराने की अपेक्षा करने की शक्ति	धारा 92
2	तलाशी वारंट जारी करने की शक्ति	धारा 93
3	जांच या विचारण के लिए संज्ञान करने के पश्चात् मामले को अन्य मजिस्ट्रेट के हवाले करने की शक्ति।	धारा 192
4	संक्षिप्त विचारण करने की शक्ति	धारा 260

1	2	3
5	सह प्रपराधी को क्षमा-दान करने की शक्ति	धारा 306
6	मामलों की वापस लेने या वापस मंगाने की शक्ति	धारा 410

[सं. जे-2-9/74-प्रशासन/जी० पी० ए०-1]

सी० जी० सोमिया, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 25th January, 1978

## NOTIFICATION

**G.S.R. 43(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 16 of the Central Reserve Police Force Act, 1949 (66 of 1949) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. J-II-9/74-Adm. (GPA-I), dated the 30th March, 1974 the Central Government hereby invests, with immediate effect, for the purpose of inquiring into or trying offences specified in that sub-section and in respect of all matters incidental to such inquiry or trial of such offences every officer holding, for the time being, the rank of—

- (a) a Commandant and an Assistant Commandant (including officers of the same ranks posted in static Units or Establishments and offices in the Force and Medical Officers holding the same ranks posted in the Base Hospital or other Hospital of the Force) with all the powers of—
- (i) a Metropolitan Magistrate, in relation to a metropolitan area; and
- (ii) a Judicial Magistrate of the first class in relation to any area outside the metropolitan area, under the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) (hereinafter referred to as the said Code):

Provided that an officer holding, for the time being, the rank of Assistant Commandant, shall not pass a sentence of imprisonment for a term exceeding one year, or of fine exceeding Rs. 1,000/-, or of both, while convicting and sentencing an accused person in any trial;

- (b) a Commandant (including an officer posted in any static Unit, Establishment or Office in the Force) or a Chief Medical Officer or a Senior Medical Officer posted in a Base Hospital or any other Hospital of the Force, with the powers of a Chief Metropolitan Magistrate or a Chief Judicial Magistrate, as the case may be under the said Code, with respect to the matters specified in the Schedule annexed hereto.

## SCHEDULE

Sr. No.	Powers	Section of the said Code
1	2	3
1.	Power to require the postal or tele-graph authority to cause search to be made and to detain any documents, parcel or thing . . . . .	Section 92
2.	Power to issue search warrant . . . . .	Section 93
3.	Power to make cover cases after taking cognizance for inquiry or trial to another Magistrate . . . . .	Section 192
4.	Power to try summarily . . . . .	Section 260
5.	Power to tender pardon to accomplice . . . . .	Section 306
6.	Power to withdraw or recall cases . . . . .	Section 410

[No. J-II-9/74-Adm/GPA.I]

C. G. SOMIAH, Jt. Secy.